ओ साँई बाबा हम हैं दास तुम्हारे
तू मारे या तारे 2 साँई बाबा हम हैं दास तुम्हारे

जब से अपनी आँख खुली है
दनि उजला हर शब उजली है
जागे भाग हमारे,जागे भाग हमारे
ओ साँई बाबा हम हैं दास तुम्हारे

सदयिों से थे पहरे दलि पर
आ पहुँचे अपनी मज़लि पर
आख़रि तेरे सहारे आख़रि तेरे सहारे
ओ साँई बाबा हम हैं दास तुम्हारे

हम तड़पत हैं तेरे दर्शन को
मांगत हैं तुझसे तेरे मन को
कबसे हाथ पसारे कबसे हाथ पसारे
ओ साँई बाबा हम हैं दास तुम्हारे

खोज में तेरी नीर बहाएँ
जाने और कहाँ ले जाएँ
इन अँखयिन के धारे इन अँखयिन के धारे
ओ साँई बाबा हम हैं दास तुम्हारे

हर संकट हर पीड़ को देखो
भक्तजनों की भीड़ को देखो
कोई न पत्थर मारे कोई न पत्थर मारे
ओ साँई बाबा हम हैं दास तुम्हारे